भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1728

जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 24 जुलाई, 2014 को दिया जाना है

बिहार में स्थित भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम

1728. श्री गुलाम रसूल बलियावी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में स्थित भारी उद्योगों और लोक उद्यमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उनका वार्षिक कारोबार कितना-कितना है तथा उनकी लाभ/हानि कितनी-कितनी है।

(ग) राज्य की अर्थव्यवस्था पर उनका कितना प्रभाव है; और

(घ) इन उपायों के माध्यम से राज्यों के विकास को बेहतर बनाने में सरकार की क्या भूमिका है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णन)

(क) से (घ): चूंकि उद्योग राज्य का विषय है, अतः बिहार सहित देश के विभिन्न भागों में स्थापित किए गए भारी उद्योगों का कोई एकीकृत आंकड़ा भारी उद्योग विभाग में नहीं रखा जाता है। विगत तीन वर्षों के दौरान भारी उद्योग विभाग द्वारा प्रशासित केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों सहित केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के वार्षिक कारोबार और लाभ एवं हानि का ब्यौरा सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण 2012-13 के खंड-I की विवरण संख्या 15 और 3 में उपलब्ध है जिसकी प्रतियां संसद के दोनों सदनों में 20 फरवरी, 2014 को पहले ही रख दी गई हैं।

*****